

ZÚME सत्र 3 का वीडियो स्क्रिप्ट्स

तीन मिनट की गवाही

यीशु ने अपने अनुयायियों को कहा- “तुम इन सब बातों के गवाह हो।”

यीशु के एक अनुयायी के रूपमें, हम “गवाह” भी हैं, यीशुका हमारे जीवनों में जो प्रभाव पड़ा उस बारेमें “गवाही देने वाले”

परमेश्वर के साथ आप के संबंध की कहानी को आप की गवाही कहा गया है।

प्रत्येक के पास एक कहानी है। ये आपके अभ्यास करनेका एक अवसर है।

एक या दो अनुयायियों को चुनकर उनके साथ अभ्यास करें और फिर आपकी 100 की सूची में से 5 नाम निकालें।

ध्यान रहें आपके चुने हुये व्यक्ति “अविश्वासी” या “आधत्मिक स्थितिसे अज्ञात” की श्रेणी के हों।

अपनी गवाही का अभ्यास करें-आपकी यीशु के बारे में उपकथा-आपकी 100 की सूची में से चुनेहुये 5 व्यक्तियों में से एक के साथ अभ्यास करते हुये।

पांचों में प्रत्येक व्यक्ति के लिये इसे विशेष बनाने के लिये अपनी उपकथा को आकार देने का अभ्यास करें।

आपको अपनी उपकथा तीन मिनट में बताने के लिये उसे छोटे संस्करण में बताने में सक्षम होना होगा।

आपकी उपकथा को आकार देने के लिये अनगिनत तरीके हैं, परन्तु कुछ तरीके हैं जिन्हें हमने दुसरो के साथ सही कार्य करते देखा था:

आप एक साधारण वचन बता सकते हैं कि आप यीशु के अनुयायी क्यों बने। ये एक नये विश्वासी के लिये उचित होगा।

आप अपनी “पहले” और “बाद” की उपकथा बता सकते हैं-आपका जीवन कैसा था यीशुको जानने से पहले और अब आपका जीवन कैसा है। सरल और प्रभाव कारी।

आप अपनी “यीशु के साथ” और “यीशु के बिना” उपकथा बता सकते हैं, कि “यीशु के साथ” आपका जीवन कैसा है और “उनके बिना” कैसा हो जायेगा। आपकी कहानी का ये संस्करण जरूर काम करेगा यदि आप युवावस्था में ही विश्वासी बन गये थे।

जब आप बता दें, तो आपके साथ अभ्यास करने वाले साथीको बताने का अवसर दें। आगे पीछे बताते रहे जबतक आप दोनों, पांचों की कहानी नहीं बता दें।

क्या आप एक इससे भी अधिक प्रभाव डालना चाहते हैं?

अपनी उपकथा बताते हुये, ये सोचना उपयोगी है, कि यह तीन भागों की प्रक्रियाका एक भाग है।

उनकी उपकथा-जिस व्यक्ति के साथ आप बात कर रहे हैं उनसे उनके आध्यात्मिक अनुभव के बारे में पूछें।

आप की उपकथा-फिर आप उनके अनुभव के आधार पर अपनी गवाही बतायें।

परमेश्वर की उपकथा-अंततः परमेश्वर की उपकथा बताये ऐसे तरीके से जो उनके सांसारिक नजरिये, मूल्यों और प्राथमिकताओं से जुड़े हैं।

और यदि आप चिंतित हैं कि इसे आरंभ कैसे करना है-इसे सरल रखें।

बस एक अभिव्यक्ति बतायें कि क्यों आपने यीशुका अनुसरण करनेका निर्णय लिया।

परमेश्वर जीवन को बदलने के लिये आपकी कहानी का उपयोग कर सकते हैं पर याद रहे -केवल आपही हैं जिसे इसे बताना है।

आपकी तीन मिनट की गवाही, **ZÚME Toolkit** का एक और सरल साधन है।